6
संयोजन

लक्ष्य

विभिन्न विषय–वस्तुओं और अवधारणाओं पर आधारित चित्र का संयोजन। किसी भी अवधारणा या विषय–वस्तु को प्रकृति, मानव–निर्मित वस्तुओं और शिक्षार्थी की अपनी कल्पना से लिया जा सकता है।

भूमिका

एक दिए गए स्थान में विभिन्न तत्वों जैसे संतुलन, लय, समन्वय और बनावट की व्यवस्था ही संयोजन है। इन सभी तत्वों के बावजूद संयोजन में जो सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है वह चित्रण की अभिव्यक्ति है। पहले किए गए विभिन्न चित्रणों की सहायता से कोई भी अपने चित्र का संयोजन कर सकता है। विभिन्न प्रकार के संयोजनों को किया जा सकता है, जैसे–

1. ज्यामितीय स्वरूपों के साथ संयोजन।
2. मानव–निर्मित वस्तुओं के साथ संयोजन।
3. प्रकृति पर आधारित संयोजन।
4. सजावटी अथवा आलंकारिक रूपों के साथ संयोजन।
5. अवधारणा पर आधारित संयोजन।

शिक्षार्थी के पास उपलब्ध सभी प्रकार की सामग्रियों के साथ संयोजन किया जा सकता है।

उद्देश्य

इस प्रयोगात्मक अभ्यास को पूरा करने के बाद, आपः

- विभिन्न प्रकार के संयोजनों में अंतर बता सकेंगे;
- संयोजन के लिए उपयुक्त सामग्री और अन्य आवश्यक तत्वों का चयन कर सकेंगे;
- किसी विषय–वस्तु को अभिव्यक्त करने के लिए आवश्यक स्वरूप और रंगों का प्रयोग कर सकेंगे;
- संयोजन की भाव–प्रवण विशेषता से संबंधित उपयुक्त रंगों का चयन कर सकेंगे।

किसी चित्र के संयोजन से पहले रूप–आकार के संतलन की व्यवस्था को सुनिश्चित कर लें।

चित्र सं. 1

यह संयोजन संतुलन के बिना है।

चित्र सं. 2

दूसरा मोटिफ जोड़ने के बाद यह संयोजन संतुलित हो गया है।

- अपने संयोजन में लय और समन्वय के ताल–मेल पर ध्यान दें। रेखाओं और रंगों के संचलन से लयात्मकता आती है।

चित्र सं. 3

- संरचना और टेक्सचर आपके चित्र में विशेष प्रभाव देती है। तैलीय, पोस्टर और एक्रीलिक रंगों के गाढ़े प्रयोग से ऐसी संरचना को आसानी से पाया जा सकता है।

चित्र सं. 4

- हर प्रकार की यथार्थवादी ड्राइंग में परिद श्य का प्रयोग बहुत महत्वपूर्ण होता है। परिद श्य की रेखा को सुनिश्चित करने के लिए संयोजन में लुप्त होते हुए बिंदु को ढूंढें। इस प्रकार की बनावट के आधार पर जल–रंगों में संयोजन बनाया जाता है (चित्र सं. 8 देखें)।

चित्र सं. 5

- साधारण मूल आकारों जैसे चतुर्कोण, त्रिकोण और व त के साथ संयोजन शुरू करें। संतुलन, लय और समन्वय का ध्यान रखें। केवल एक रंग का प्रयोग करें।

चित्र सं. 6

- मूल आकारों का संयोजन करें और रंग भरें। डिजायन के आवश्यक तत्वों को न भूलें। अतिछादित क्षेत्रों में सेकेंडरी रंगों का प्रयोग करें।

चित्र सं. 7

- मूल आकारों के साथ अब कुछ कठिन संयोजन करने का प्रयास करें जो अवधारणात्मक संयोजन जैसे लगें।

चित्र सं. 8

- मानव आकृतियों के बहुत–से स्केच बनाएं। इन आकृतियों को संयोजन में ढालें। जल–रंगों का प्रयोग करें।

चित्र सं. 9

टिप्पणी

- ये आकृतियां स्केचों से ली गई हैं। (पाठ 1 में चित्र 27 और 29 को देखें।)
- अच्छा संयोजन बनाने में कुत्तों, गायें, घोड़ों, आदि जानवरों के स्केच मदद करते हैं। पोस्टर रंगों में कुत्तों के साथ यहां एक संयोजन है। नीरस (फ्लैट) रंगों का प्रयोग करें।

चित्र सं. 10

- जब आप मानव–निर्मित वस्तुओं के स्केच बनाते हैं और उनका चित्रण करते हैं तो, जैसा इस चित्र में है, सही तरीके से संयोजन में ध्यान दें।

चित्र सं. 11

- आपने प्रकृति को लेकर बहुत–से स्केच बनाए होंगे। बहुत से पेड़ों के साथ किसी स्थान को चुनें और उसका संयोजन करें। यह भू–द श्य पेंटिंग की तरफ एक कदम है।

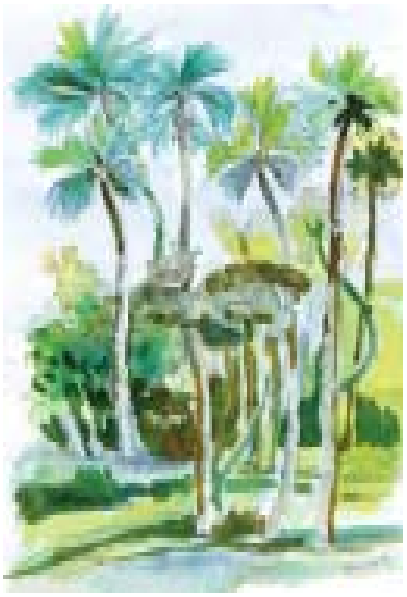

चित्र सं. 12

- किसी शहर में पेड़–पौधों और फूलों वाले किसी सुंदर स्थान को ढूंढना आसान नहीं है। चिंता न करें। अपने चारों तरफ देखें और किसी तंग गली का कोना चुनें या किसी सड़क के किनारे कोई चाय की दुकान, जैसा आप पसंद करते हों। अपने भू–द श्य पेंटिंग के लिए यह अच्छा विषय हो सकता है। जल–रंगों की सामग्री ले जाना आसान होता है, जबकि तैलीय पेंटिंग के किट के साथ बहुत–सी सहायक सामग्री ले जानी होती है।

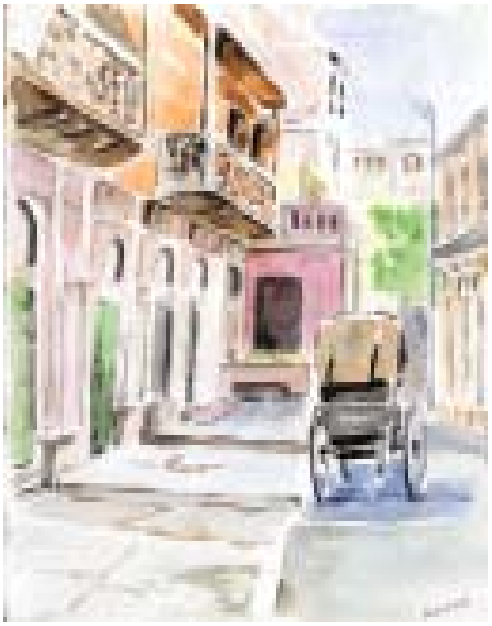

चित्र सं. 13

- यदि आपको किसी पहाड़ी क्षेत्र में या समुद्र के किनारे जाने का सौभाग्य मिलता है तब आप तैल–रंगों के साथ कैनवास पर एक सुंदर द श्य पेंट करें। विकल्प के तौर पर आप किसी मॉडल फोटोग्राफ का प्रयोग भी कर सकते हैं। तैल–रंगों के माध्यम में आप कई बार गलती होने पर सुधार और बदलाव कर सकते हैं। जल–रंगों की स्थिति में ऐसा संभव नहीं है।

चित्र सं. 14

- अपने स्केचों से किसी भी मोटिफ के साथ सजावटी संयोजन किया जा सकता है। आप डिजायन के लिए पेड़–पौधों, फूलों, पक्षियों, आदि के स्वरूपों को व्यवस्थित कर सकते हैं। ऐसा रंगीन स्याही और काली पेन से किया जाता है।

चित्र सं. 15

- कभी–कभी चित्रकार किसी अवधारणा की अभिव्यक्ति किसी द श्य अथवा कहानी के बजाय अपनी पेंटिंग से करते हैं। वे चिन्हों के तौर पर रूपों और रंगों का प्रयोग करते हैं जो हमेशा पहचान में नहीं होते हैं। इसलिए कभी–कभी अवधारणात्मक पेंटिंग अमूर्त या अकल्पनीय हो जाती है। सूर्य, मछली का कंकाल और अन्य मोटिफ चिन्हों के तौर पर प्रयोग किए जाते हैं।

चित्र सं. 16

टिप्पणी

अभ्यास

1. ए–4 या 1/4 इंपीरियल साइज़ के पेपर में चतुर्कोण, त्रिकोण और व त्त जैसे मूल आकारों का संयोजन करें।

2. अपनी स्केच बुक से कुछ मानव–आकृतियों को चुनें। किसी विषय–वस्तु जैसे बाज़ार, भीतरी घर का द श्य, काम करते हुए स्त्री और पुरुष, आदि के बारे में निर्णय करें और पोस्टर रंग से संयोजन करें।

3. अपने चारों ओर प्रकृति का निरीक्षण करें। पेड़–पौधों, नदी, तालाब, आदि के स्केच बना सकते हैं और जल–रंगों से भू–द श्य बनाएं।

4. एक संयोजन में मानव–निर्मित वस्तुओं, मानव–आकृतियों, पशु–आकृतियों को शामिल करें।

5. अपनी कल्पना और स्म ति से किसी भी विषय–वस्तु का संयोजन करें। इसे एक सजावटी और आलंकारिक रूप देने की कोशिश करें।

डीयर एंड फौन (कागज पर स्याही)
— एन एस बैनद्रे